वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 128 | मंगलवार 5 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने सांगानेर एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति की अगवानी की

जयपुर. कासं। राज्यपाल कलराज मिश्र ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के सपत्नीक जयपुर पहुंचने पर सोमवार को सांगानेर एयरपोर्ट पर उनकी भावभीनी अगवानी की।

कैटवाक और मोटिवेशन वर्कशॉप से ग्रूमिंग सेशन की शुरूआत

मिसेज राजस्थान 2023 का हुआ आगाज, वेलकम सेरेमनी के साथ फाइनलिस्ट की घोषणा

जयपुर. कासं। फ्यूजन ग्रुप की ओर से और ग्रैंड सफारी के सहयोग से आयोजित राजस्थान के प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट मिसेज राजस्थान 2023 के पहले दिन वेलकम सेरेमनी का आगाज हुआ। जिसमें टॉप फाइनलिस्ट अंशु कुमारी शर्मा, रिचा कुलश्रेष्ठ, भावना शर्मा, मेघा शर्मा, मोनालिसा मीणा, प्रीति भंडारी, प्रियंका मीणा, स्वेता शर्मा, इस्मिता शर्मा, तान्या रॉय, तृप्ति बरडिया, ऊषा मदनानी, वर्षा पिपरिया, अनुष्का मीणा, किरण राठौड़, प्रतिभा विजय, तनुश्री गौर, सीमा मीणा, सरोज गोस्वामी को शेष पहना के फाइनलिस्ट के रूप में अनाउंस किया गया। आयोजक योगेश मिश्रा और निमिषा मिश्रा ने बताया कि पहले दिन के शेड्यूल में कैटवाक वर्कशॉप मिसेज राजस्थान के ऑफिशियल कोरियोग्राफर

शाहरुख खान ने ली और गर्ल्स को हाउ टू पोज, हाऊ टू वॉक पर सेशन दिया। समाजसेवी व मोटिवेशनल स्पीकर पवन गोयल ने महिलाओं का मनोबल बढ़ाने के लिए व कॉन्फिडेंस डेवलपमेंट पे वर्कशॉप ली। साथ ही योगेश मिश्रा ने अपने आप को मोटिवेट करते हुए किस तरह आगे बढ़ना है पर मोटिवेशन क्लास ली।

शिक्षक सम्मान समारोह की पूर्व संध्या पर मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 5 सितम्बर को बिड़ला आडिटोरियम में होगा आयोजित

जयपुर. कासं

शिक्षा विभाग की ओर से सोमवार को बिडला ऑडिटोरियम जयपुर में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह की पूर्व संध्या पर मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला, विशिष्ट अतिथि तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम कि शुरूआत की। कार्यक्रम में शिक्षकों द्वारा सरस्वती वंदना के साथ स्वागत गीत से सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजस्थानी लोक नृत्य 'लुक–छुप ना जाओ जी' पर सामूहिक नृत्य और वीर योद्धाओं की शान में वीर रस की प्रस्तुति ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर राजस्थानी संस्कृति में बांध लिया। साथ ही घूमर, कव्वाली एवं

भांगडा नृत्य ने संस्कृतियों के समागम का रंग बिखेरा। इसके साथ ही सामाजिक विषय के रूप में 'गुड टच बैड टच' अभियान की जानकारी देने और जनता को इस सम्बंध में जागरूक करने के उद्देश्य से एक नाटिका का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा विभाग शासन सचिव नवीन जैन, शिक्षा विभाग विशेष सचिव श्रीमती चित्रा गुप्ता, शिक्षा विभाग के निदेशक काना राम, संयुक्त सचिव किशोर कुमार के साथ अन्य विशिष्ट गणमान्य उपस्थित रहें। उल्लेखनीय है कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार 5 सितम्बर को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह बिड़ला आडिटोरियम,जयपुर में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित किया जाएगा। समारोह में पिछले 5 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर तीन कक्षा समूहों कक्षा 01 से 05 , कक्षा 06 से 08 तथा कक्षा 09 से 12 से प्रत्येक ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर 3–3 शिक्षकों तथा राज्य स्तर पर कुल 149 शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा। शिक्षकों के चयन के लिए 100 अंकों की सूक्ष्म अंक योजना में सामान्य शिक्षक, शारीरिक शिक्षक व विशेष योग्यजन संबंधित संस्थान में कार्यरत विशिष्ट शिक्षकों में से चयन किया गया है। प्रत्येक शिक्षक को ब्लॉक स्तर पर 5100 रुपए, जिला स्तर पर 11000 रुपए की पुरस्कार राशि, प्रशस्ति पत्र व शॉल भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तर पर 21000 रुपए की पुरस्कार राशि के साथ ही ताम्रपत्र व प्रशस्ति पत्र एवं शॉल प्रदान किये जाएंगे।

पहलवानों ने दिखाया कुश्ती दंगल में दमखम

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में सोमवार को राज्य स्तरीय कुश्ती दंगल आयोजित हुआ जिसमें हरियाणा उत्तराखंड उत्तरप्रदेश दिल्ली सहित प्रदेश भर से आए पहलवानों ने अपना दमखम दिखाया। प्रबधक नेमिकुमार पाटनी ने बताया कि अतिशय क्षेत्र में देव पंचमी के मौके पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय वार्षिक कुश्ती दंगल में दर्जनों पड़ोसी राज्यों सहित प्रदेश भर के पहलवानों ने दमखम दिखाया। कुश्ती दंगल का मुख्य आकर्षण दिव्यांग पहलवान की कुश्ती रही

दंगल में सैकड़ो कुश्ती मुकाबले आयोजित हुए। जिनमे में क्षेत्रीय युवा पहलवानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। दंगल में करीब 150 से अधिक कुश्तियां आयोजित हुई जिनमे 300 से अधिक पहलवानों ने अपना दमखम दिखाया। कुश्ती दंगल की आखिरी कुश्ती बराबरी पर छुटी ।आखिरी कुस्ती के पहलवान को 11 हजार रुपये इनाम देकर सम्मानित किया। हरचरण पटेल श्री पटेल टॉमी आदि ने अनुशासन और नियमों से कुश्ती दंगल को आयोजित करवाने में सहयोग किया।

मनुष्य की बुद्धि जितनी सात्विक होगी, उसका जीवन उतना ही पवित्र बनेगा: महासती प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। मनुष्य की बुद्धि जितनी सात्विक होगी, उसका जीवन उतना ही पवित्र बनेगा और आत्मा को मुक्ति का मार्ग मिलेगा। सोमवार अहिंसा भवन शास्त्री नगर में महासती प्रितीसुधा ने आयोजित धर्मसभा में श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश देतें हुए कहा कि संसार मे एक मनुष्य ही एक ऐसा जीव है जो अपनी बुद्धि के द्वारा अपनी आत्मा को संसार के जन्म मरण के चक्रव्यूह से बाहर निकाल ने की क्षमता रखता है बुद्धि धन से अधिक शक्तिशाली है लेकिन मनुष्य अपनी बुद्धि का जीवन मे सही ढ़ग इस्तेमाल नहीं करता, वह हमेशा कष्टों में रहता है और जीवन मे सुख नही भोग पाता है। मनुष्य अपनी बुद्धि की तीव्रता और सूक्ष्मता से अपने पुरुषार्थ को बढ़ा सकता है। बुद्धि को न कोई चुरा सकता है और न ही कोई उसे छीन सकता है। बाकायदा बुद्धि ही मनुष्य के पास एक ऐसा धन है जिसका इंसान सद उपयोग करेगा तो वो संसार के समस्त सुखो भोग सकता है, और बुध्दि सही इस्तेमाल नहीं किया तो वो हमेशा जीवन मे कष्टों से निजात नहीं पा सकता है। साध्वी मधूसुधा ने धर्मसभा मे फरमाया मनुष्य के पास बुद्धि का बल है जिसकी बदौलत वह असंभव को भी संभव बना सकता है। निलिष्का जैन ने बताया की धर्मसभा मे अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल,अशोक पोखरना, हेमन्त आंचलिया,हिम्मतसिंह बाफना, जतन जैन,शांतिलाल कांकरिया, संदीप छाजेड़,राजेन्द्र चीपड़, अमरसिंह संचेती,जसवंत सिंह डागलिया,अमर सिंह बाबेल, तथा महिला मंडल की रजनी सिंघवी,मंजू बापना,अंजना सिसोदिया,उमा आंचलिया,सरोज महता आदि के साथ सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं की धर्मसभा मे उपस्थित रही। जन्माष्टमी पर साध्वी प्रितीसुधा का विषेश प्रवचन रहेगा । **प्रवक्ता निलिष्का जैन**

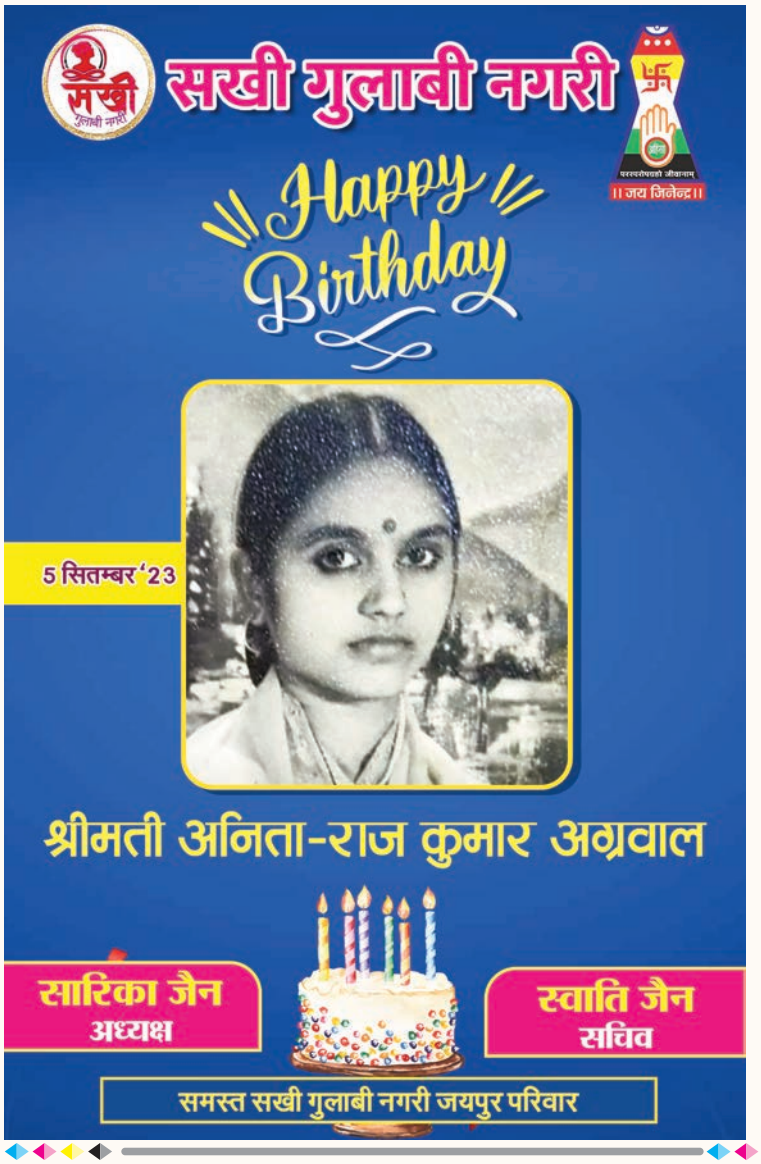

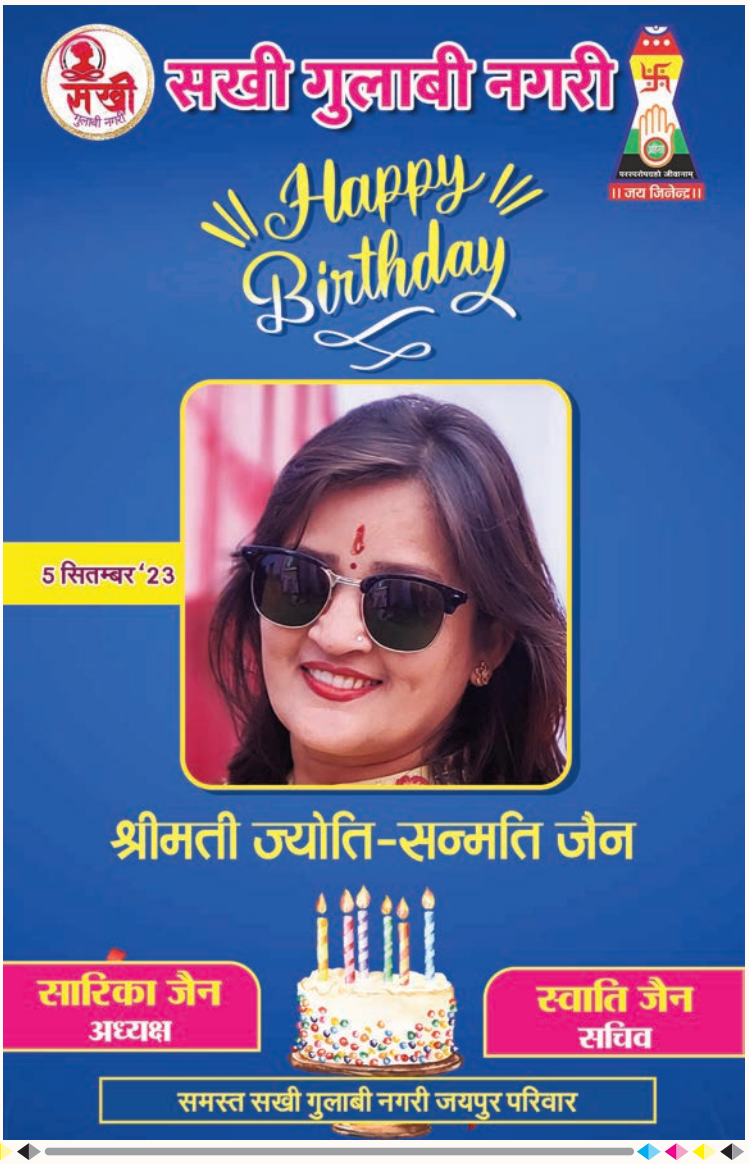

दान धर्म का अंग है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चेन्नई। दान धर्म का अंग है। सोमवार साहूकार पेठ एस.एस.जैन भवन मे महासती धर्मप्रभा ने श्रध्दांलूओ को संबोधित करतें हुए कहा कि दान अगर उचित स्थान पर उचित व्यक्ति को दान हम करते है तो वो दान हमे संसार से तिराने का बिजारोण करता है । दान करते समय हमारी भावना कैसी वो हमारे महत्व रखती है। भावना हमारी शुध्द नहीं है तो दान का फल हमे नहीं मिलने वाला है। दान देने से हममें परिग्रह करने की प्रवृत्ति नहीं आती। मन में उदारता का भाव रहता और हमारे विचारों में शुद्धता आती है। और हमारे मे मोह और लालच नहीं रहता।दान करने से हम न सिर्फ दूसरों का भला करते हैं,बल्कि हम अपने व्यक्तित्व को भी निखारते हैं। जब हम दान बिना किसी स्वार्थ के करते हैं तो उस सुख का अनुभव हमें आत्म संतुष्टि प्रदान करता है और वो दान सुपात्र दान बन जाता। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि संसार ऐसे दरिद्र इंसान भी है जिसके पास कुछ भी नहीं फिर भी वह दान देते है लेकिन जिनके पास अर्थात धन का संग्रह फिर भी वह इंसान दान नहीं कर सकता है तो वो धनवान व्यक्ति दुनिया सबसे बड़ा भूखा और दरिद्र इंसान है। एक छोटा सा दान मनुष्य की आत्मा को तिरा देता है और उसे महान बना देता है इंसान के पास धन होने के बावजूत वो इंसान होकर भी इंसान की मदद और सहयोग नहीं कर सकता है तो वो इंसान नहीं वह जानवर से भी ज्यादा गया गुजरा इंसान है दान छोटा और बड़ा नहीं होता है। दान,दान होता है। जब इंसान दान देता है तो उसकी भावना और प्रवृत्तिया शुध्द होनी चाहिए वो दान ही दान कहलाता है। श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया की कही भाई और बहनों ने आयंबिल एकासन उपवास आदि के साध्वी वृंद से प्रत्याख्यान लिए तथा जन्मोत्सव समारोह को ऐतिहासिक और भव्यता प्रदान करने वाले साहूकार पेठ श्री संघ के सम्पूर्ण पदाधिकारियों और एस.एस.जैन संस्कार मंच,जय संस्कार महिला मंडल,तथा एस.एस.जैन संस्कार महिला शाखा आदि सभी को साध्वी धर्मसभा ने साधूवाद देतें हुए बधाईया दी। इस दौरान श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी,सुरेश डूगरवाल, हस्तीमल खटोड़, सज्जन राज सुराणा, जितेन्द्र भंडारी, महावीर कोठारी,शम्भू सिंह कावड़िया, भरत नाहर, महावीर ललवानीआदि के साथ अनेक श्रावक श्राविकाओं की धर्मसभा मे उपस्थित रहीं। धर्मसभा का संचालन महामंत्री सज्जनराज सुराणा ने किया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर साध्वी धर्मप्रभा जी म.सा का विषेश प्रवचन होगा।

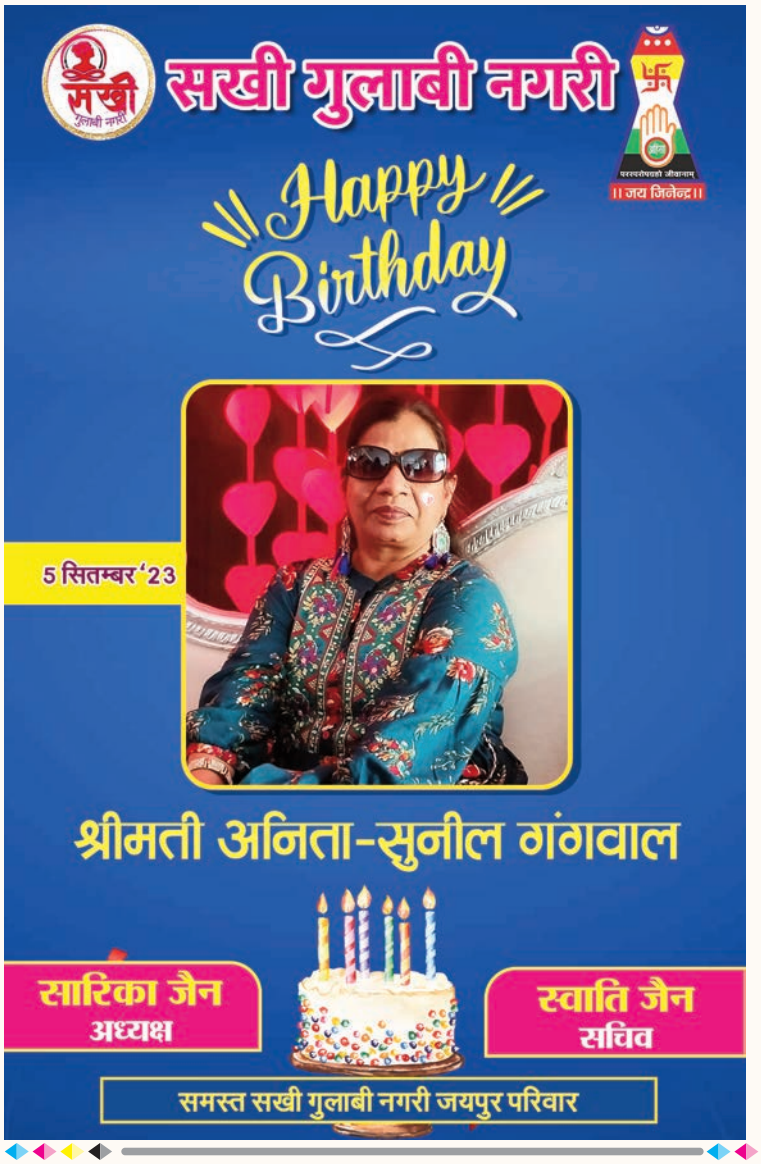

वेद ज्ञान

पुण्य विकास का मंत्र

इंसान को इंसान समझना और उसके साथ इंसानियत का व्यवहार करना ही धर्म का वास्तविक पालन है और यही पुण्य कहलाता है। पुण्य की यह चेतना और संवेदना संतुलन का आधार है, विकास का मंत्र है, प्रकृति का कण-कण इस सूत्र से गुंथा हुआ है। यदि पेड़, पौधे, वृक्ष, लताएं धूप, हवा, पानी और खाद लेते हैं तो फूल, फल, अनाज और खुशबू भी देते हैं। नदी, नाले पहाड़ों से, बादलों से पानी लेते हैं तो धरती को सींचते भी हैं। प्रकृति में संतुलन की आवश्यकता है तो फिर व्यक्ति में और समाज में क्यों नहीं? पर अफसोस! हम इस बात को भूल गए हैं। इसलिए व्यक्ति और समाज दोनों ही असंतुलित बन गए हैं। मैं, मुझे और मेरा (आई, मी एंड माइन) की सभ्यता ने मनुष्य को स्वार्थी बना दिया है। इसलिए वह जो कुछ अर्जित करता है, उसे अपने ऊपर ही उड़ेल लेना चाहता है। प्रकृति ने दिन में उजाला और रात में अंधेरा फैलाया है, पर हमारे जीवन में तो रात और दिन आसक्ति का, मूर्छा का, ममत्व का अंधेरा ही अंधेरा छाया है। सोते, जागते, उठते-बैठते पैसा ही पैसा पसरा हुआ नजर आता है। समृद्धि ही समृद्धि, सत्ता ही सत्ता, अधिकार ही अधिकार चाहिए। जीवन के टेपरिकॉर्डर पर एक ही धुन बजती रहती है-पैसे, पैसे, पैसे, मिले चाहे जैसे। यानी पैसा ही जीवन की सुर, ताल और राग बन गया है, पुण्य की चेतना और संवेदना गायब है। जीवन को सम्मानपूर्वक जीने के लिए, जीवन को शांतिपूर्वक जीने के लिए पैसे की आवश्यकता और पैसे की उपयोगिता को नकारा कैसे जा सकता है? आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा है कि अर्थ समर्थ भी है, अर्थ असमर्थ भी है। पैसे का अभाव और पैसे का प्रभाव दोनों ही हिंसा फैलाते हैं। दोनों केसंतुलन से ही स्वस्थ व अहिंसक समाज का निर्माण संभव हो सकता है। अर्जन के साथ विसर्जन संतुलित जीवन जीने की कला है। सिक्के के दो पहलुओं की तरह पुण्य की चेतना और संवेदना के भी दो महत्वपूर्ण पहलू हैं-आध्यात्मिक पहलू और सामाजिक पहलू। दोनों का अपना-अपना स्थान है। अपना-अपना मूल्य है। पदार्थ से जो हमारा मोह छूटता है, वह शुद्ध आध्यात्मिक लाभ यानी पुण्य की प्राप्ति है।

संपादकीय

''एक राष्ट्र एक चुनाव'' का विधान होना चाहिए

सरकार लंबे समय से चाहती रही है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं। प्रधानमंत्री कई मौकों पर दोहरा चुके हैं कि ''**एक राष्ट्र एक चुनाव**'' का विधान होना चाहिए। इसे लेकर निर्वाचन आयोग मंथन भी कर चुका है। विधि आयोग ने भी इस पर अपने विचार दिए हैं। अब लगता है कि यह व्यवस्था लागू करने की कोई सूरत बन सकेगी। इसके लिए केंद्र ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर दी है। यह समिति किस तरह इस विचार को व्यावहारिक रूप दे पाती है, देखने की बात है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग समय पर कराने से सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ता है। सरकारी कर्मचारियों का काफी समय इनकी तैयारियों और इन्हें संपन्न

कराने में जाया हो जाता है। ऐसे में सारे चुनाव एक साथ कराने से सार्वजनिक धन की काफी बचत होगी। हालांकि निर्वाचन आयोग बता चुका है कि इसके लिए उसे बड़ी संख्या में वोटिंग मशीनों और दूसरे उपकरणों की जरूरत पड़ेगी। मगर अलग-अलग चुनावों पर आने वाले खर्च की तुलना में इन संसाधनों को जुटाना कोई बड़ा काम नहीं माना जा सकता। असल मुश्किल संविधान संशोधन और फिर यह सुनिश्चित करने की है कि भविष्य में भी चुनाव एक साथ होते रहें। इसका क्या विधान होगा, यह एक जटिल काम है। आजादी के शुरूआती वर्षों में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही हुआ करते थे। मगर करीब बीस वर्षों बाद कुछ विधानसभाएं और फिर लोकसभा अपना तय कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई, जिसके चलते वह चक्र टूट गया और फिर टूटता ही गया। अब स्थिति यह है कि साल में कई चुनाव कराने पड़ते हैं। इस तरह चुनावों का मौसम कई बार साल भर बना रहता है। इससे राजनीतिक दलों के नेताओं को अपना काफी वक्त इसमें देना पड़ता है। निर्वाचन आयोग को भी पूरे समय अपना ध्यान कहीं न कहीं चुनाव की तैयारियों पर लगाए रखना पड़ता है। सुरक्षाबलों और सरकारी कर्मचारियों को अपने नियमित कामकाज छोड़ कर इनमें शामिल होना पड़ता है। चुनाव खर्च का बजट लगातार बढ़ता गया है। इस पर काबू पाना निश्चित रूप से अच्छा विचार है। मगर इसके लिए कई विधानसभाओं के कार्यकाल में कटौती और कई के कार्यकाल में विस्तार करना आसान नहीं होगा। जिन विधानसभाओं के चुनाव कुछ समय पहले ही हुए हैं और उनका कार्यकाल तीन साल से अधिक है, उन्हें यह फैसला स्वीकार्य नहीं होगा। फिर, यह संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन होगा। एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लागू होने के बाद फिर भी यह सवाल बना रहेगा कि अगर आगे कभी लोकसभा या कोई विधानसभा अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाती, बीच में ही सरकार गिर जाती है, तो उस स्थिति में क्या होगा। ऐसे में मध्यावधि चुनाव के बजाय क्या तब तक वैकल्पिक व्यवस्था लागू रखी जाएगी, जब तक कि अगले चुनाव का समय नहीं आ जाता? ऐसा नियम बनाने से पूरी शासन-प्रणाली गड़बड़ा सकती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सुप्रीम नजरिया...

यह सवाल लंबे समय से विवाद का विषय बना हुआ था कि अमान्य विवाह की स्थिति में पैदा बच्चे को पिता की संपत्ति में हिस्सा मिलना चाहिए या नहीं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस मसले पर जिस तरह एक स्पष्ट फैसला सुनाया है, वह न केवल अधिकारों के लिहाज से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि खासकर बच्चे के जीवन और अस्मिता को लेकर एक ऐतिहासिक नजरिया भी है। करीब तेरह साल पुरानी याचिका पर फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि शून्य या अमान्य ठहराए गए विवाह से पैदा बच्चे को भी वैध माना जाएगा। साथ ही, हिंदू विवाह अधिनियम 16(2) के मुताबिक, जिन मामलों में अमान्य विवाह को रद्द कर दिया गया हो, तो उसके फैसले से पहले पैदा हुआ बच्चा भी कानूनी हक रखता है। अदालत ने कहा कि किसी भी अमान्य विवाह से जन्म लेने वाली संतान का उनके माता-पिता की अर्जित और पैतृक संपत्ति में अधिकार होगा। ऐसे मामलों में बेटियां भी संपत्ति में बराबर की हकदार होंगी। हालांकि यह फैसला हिंदू मिताक्षरा कानून के तहत हिंदू परिवारों की संपत्तियों पर ही लागू होगा। दरअसल, भारत में विवाह की कानूनी व्यवस्था में पहली पत्नी के रहते दूसरा विवाह और उससे जन्म लेने वाली संतान को लेकर आम सामाजिक दृष्टि और उसके कानूनी अधिकारों को लेकर एक जटिल परंपरा कायम रही है। अब तक प्रचलित व्यवस्था में विवाहित पुरुष के किसी अन्य स्त्री से विवाह को कानूनी दर्जा नहीं दिया जाता है। इस तरह ऐसे संबंधों में जन्म लेने वाले बच्चे को लेकर भी लोग कई तरह की गलत धारणा के शिकार होते हैं। मसलन, आमतौर पर ऐसी स्थिति में बच्चे को 'अवैध' कह दिया जाता है। इससे उपजे भावनात्मक या मानसिक दंश को सिर्फ वही समझ सकता है, जो इसकी पीड़ा से गुजर रहा होता है। यह अपने आप में एक बड़ी विडंबना है कि जिस बात के लिए बच्चा कहीं से जिम्मेदार नहीं है, उसकी वजह से उसके बारे में लोगों की राय बेहद संवेदनहीन और उसके अस्तित्व को खारिज करने वाली देखी जाती है। 'अवैध' होने के आरोप और इससे जुड़ी पहचान बेहद अपमानजनक और पीड़ादायक भी होती है, जो किसी भी व्यक्ति के स्वाभाविक जीवन को बाधित करती है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले की अहमियत इस बात में भी है कि यह आम समाज में प्रचलित धारणा को तोड़ने में सहायक होगी। इसके अलावा, समाज और कानून की नजर में अमान्य विवाहों की स्थिति में पैदा बच्चे के अधिकारों को लेकर भी जटिल व्यवस्था रही है कि ऐसे बच्चे को पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी मिले या नहीं। अब तक इस मसले पर ऐसे सवाल उठते रहे हैं कि विशेष स्थितियों को छोड़ कर जब किसी पुरुष के दूसरे विवाह को मान्यता नहीं है, तब उससे जन्म लेने वाली संतान को परिवार की संपत्ति में हिस्सेदारी कैसे सही है! लेकिन इस पहलू पर अब अदालत ने स्थिति स्पष्ट कर दी है कि जब अमान्य विवाह से पैदा बच्चा 'अवैध' नहीं है, तो उसे अपने पिता की संपत्ति में भी हिस्सा मिलना चाहिए। अमान्य विवाह को भले कानूनी और सामाजिक दृष्टि से मंजूरी न दिए जाने की व्यवस्था रही है, लेकिन ऐसे रिश्ते में बच्चे के जन्म को 'अवैध' न मान कर माता-पिता के संबंध से स्वतंत्र रूप से देखा जाना चाहिए।

जैन रत्न प्रदीप कासलीवाल की तृतीय पुण्यतिथि पर कानों की मशीन, कृत्रिम पैर, शिक्षा सहयोग निधि आदि का वितरण होगा

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

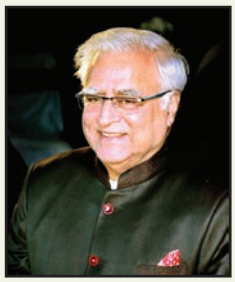

इंदौर। महावीर ट्रस्ट द्वारा प्रोजेक्ट सुनो के अंतर्गत इंदौर संभाग में शासकीय स्कूलों, आंगनवाड़ियों एवं संस्थानों में तीन वर्ष से लेकर 15 वर्ष तक के करीब छः हजार बच्चों के कानो का परीक्षण, उनकी जांच, करवाई गई एवं सामान्य बीमारी की। निःशुल्क दवाई वितरण की गई थी । जिन बच्चों के कानों के परीक्षण के बाद डॉक्टर के अनुसार उनको सुनने में परेशानी वाले बच्चों के लिए मशीनों का वितरण किया जाना है । राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मंगलवार 5 सितंबर 2023 को स्व. जैन रत्न प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल की तृतीय पुण्यतिथि है ।इस अवसर पर महावीर ट्रस्ट के युवा अध्यक्ष अमित कासलीवाल द्वारा महावीर बाल संस्कार केंद्र 52 कंचनबाग इंदौर पर प्रातः 10:30 बजे कानों की मशीनों का वितरण किया जाएगा महामंत्री बाहुबली पांड्या ने बताया कि, फिजियोथैरेपी सेन्टर हेतू अत्याधुनिक मशीन का लोकार्पण, विकलांग को कृत्रिम अंग पैरों वितरण, शिक्षा सहयोग निधि वितरण महावीर ट्रस्ट इंदौर द्वारा किया जाएगा।

लाडनूं की वैशाली जैन महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिली

लाडनूं. शाबाश इंडिया

कस्बे की वैशाली जैन पुत्री शरद जैन-डॉ मनीष जैन देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मिली। वैशाली जैन ने कहा कि यह अवसर विमल विद्या विहार विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रचना बलानी के विशेष प्रयास एवं कुशल नेतृत्व से प्राप्त हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्थान से सिर्फ दो विद्यालयों को ही राष्ट्रपति भवन जाने का अवसर प्राप्त हुआ। जिसमें से राष्ट्रसंत, शांतिदूत आचार्य तुलसी द्वारा संस्थापित विमल विद्या विहार विद्यालय को प्राप्त हुआ।इस अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति ने विमल विद्या विहार को नैतिक मूल्यों के सरंक्षण के लिए साधुवाद दिया और विद्यार्थियों के जैन दर्शन और संस्कृति की प्रस्तुति पर कहा कि बच्चो के संस्कारों से यह प्रतीत होता है कि आप सभी आचार्य तुलसी की धरा से जुड़े हुए है। गौरतलब है की विमल विद्या विहार, जैन विश्व भारती की शैक्षणिक इकाई और यह विद्यालय के लिए बहुत ही ऐतिहासिक क्षण है। विद्यालय की निरंतर प्रगति और विकास कार्य प्राचार्य रचना बलानी के कुशल नेतृत्व में हो रहा है। विद्यार्थियों को यह अवसर प्रदान करने के लिए अभिभावकों ने प्राचार्य रचना बालानी एवं प्रबंध मंडल के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिंदगी में "महाभारत" से बचना है तो मत उड़ाओं किसी की हंसीः इन्दुप्रभाजी म.सा.

मिथ्यात्व का नहीं करें पोषण, अपने धर्म व सिद्धांतों पर रखे विश्वास-चेतनाश्रीजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। धर्म ध्यान व साधना करने के लिए आत्मा एवं शरीर दोनों का मिलना एवं उनमें आपसी समन्वय होना आवश्यक है। बिना शरीर को पाए केवल आत्मा के सहारे भी धर्म नहीं हो सकता। जीवात्मा का उद्धार आत्मा से ही होता है। शरीर आत्मा के लिए कार्य करने का एक माध्यम है इसलिए उसे स्वस्थ रखना चाहिए। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में सोमवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन में कभी किसी की हंसी नहीं उड़ानी चाहिए। हंसी उड़ाने से आपसी मनमुटाव होता है। रोग का मूल खांसी ओर लड़ाई का मूल हंसी होती है। इस हंसी उड़ाने के कारण ही 'महाभारत' हो गया था। साध्वीश्री ने कहा कि त्याग व संयम लेने वालों का गुणगान जगत करता है। संसार छोड़ना आसान नहीं है हर कोई संयमी आत्मा नहीं बन सकता। आत्मा का उद्धार संयम लेने पर ही होता है। हमे किसी भी हालत में भाषा का विवेक नहीं खोना चाहिए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए बताया कि किस तरह अयोध्या में ऋषभदेव का राज होता है। ऋषभदेव से लेकर रामचन्द्रजी तक सूर्यवंशी कहलाए। पुरन्दर के पुत्र हुआ जिसका नाम कीर्तिध्वज रखा गया। इसके बाद पुरन्दर पत्नी के साथ संयम अंगीकार कर लेते है। पुरन्दर का उपदेश सुन एक दिन कीर्तिध्वज को भी वैराग्य आ जाता है। वह पत्नी के गर्भ में ही पुत्र का राजतिलक कर संयम स्वीकार कर लेता है। समय आने पर उसके सुकौशल नाम का पुत्र होता है। बड़ा होने पर उसका विधिवत राजतिलक हो जाता है। एक दिन कीर्तिध्वज उसी राज्य में आहार लेने के लिए पधारते है तो रानी देख लेती है उसे लगता कहीं पिता से मिल पुत्र को भी वैराग्य न आ जाए इसलिए वह पहरेदारों से बोल कीर्तिध्वज को नगर से बाहर निकलवा देती है। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि पर्वाधिराज पर्युषण पर्व में सभी को परिवार सहित अधिकाधिक धर्म साधना करनी है। तपस्या व सामायिक के रूप में भी साधना कर सकते है। सामायिक में मन, वचन व काया की भागदौड़ बंद हो जाती है। उन्होंने आठ प्रकार की आत्माएं बताते हुए कहा कि कोई कर्म घटाती है तो कोई कर्म बढ़ाती है। जहां-जहां जीवन्तता है वहां.वहां आत्मा है चाहे वह जीवित नाखुन ही क्यों न हो। सुननी सबकी चाहिए लेकिन हमेशा अपने धर्म व सिद्धांतों पर विश्वास रखना चाहिए। सभी संस्कृतियां अलग.अलग होती है। हमारी संस्कृति केवल ज्ञान वाली है। हमे मिथ्यात्व का पोषण नहीं करना है। साध्वीश्री ने माला फेरने के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि ये समझना होगा कि माला किस तरह फेरी जानी चाहिए। जाप करने से पहले णमो सिद्धांण की माला फेरने से जाप सिद्ध होते है। बिना श्रद्धा व आस्था के आराधना नहीं हो सकती चाहे हाथ से कितनी भी माला फेरते रहो। तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने प्रेरणादायी भजन की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा.,आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य रहा। गुलाबपुरा से पधारे श्रावक सतीश कांकरिया ने भजन की प्रस्तुति दी। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। धर्मसभा में भीलवाड़ा शहर एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे श्रावक.श्राविकाएं मौजूद रहे।

पर्युषण में आठ दिन सभी करें जप, तप व भक्ति आराधना

रूप रजत विहार में 12 से 19 सितम्बर तक मनाए जाने वाले पर्वाधिराज पर्युषण पर्व की तैयारियां शुरू कर दी गई है। इस दौरान प्रवचन के साथ जपए तप व भक्ति से परिपूर्ण विभिन्न आयोजन होंगे। पर्युषण अवधि में रूप रजत विहार स्थानक में अखण्ड नवकार महामंत्र जाप का आयोजन होगा। इसमें अधिकाधिक श्रावक.श्राविकाओं की सहभागिता के लिए प्रयास किए जा रहे है। पर्युषण अवधि में तपस्या ओर सामायिक के लिए डायमण्ड, गोल्डन व सिल्वर कूपन भी जारी किए जाएंगे। प्रत्येक श्रावक.श्राविका को कोई न कोई कूपन अवश्य प्राप्त करना है इसकी प्रेरणा साध्वीवृन्द द्वारा दी जा रही है। इसके तहत पर्युषण में उपवास की अठाई पर डायमण्ड, आयम्बिल की अठाई पर गोल्डन व एकासन की अठाई पर सिल्वर कूपन मिलेगा। इसी तरह पर्युषण अवधि में 108 सामायिक पर डायमण्ड, 81 सामायिक पर गोल्डन एवं 51 सामायिक पर सिल्वर कूपन मिलेगा।

भारतीय जैन मिलन की बैठक स्वर्णोदय तीर्थ क्षेत्र में हुई सम्पन्न

6 महिला संगठनों को नारी शक्ति सम्मान एवं मनीष जैन विद्यार्थी सागर को सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता से किया गया सम्मानित

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

छतरपुर, खजुराहो । परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या आर्यिका श्री तपोमति माताजी एवं आर्यिका श्री गुणमति माताजी के मंगल सान्निध्य में भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्र. 10 की द्वितीय कार्यकारणी की बैठक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जैन मिलन के राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर एड. कमलेन्द्र जैन एवं जिला न्यायाधीश अरविंद जैन विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर नेमिकुमार जैन सराफ, स्वर्णोदय तीर्थ न्यास के मंत्री इंजी. रमेश चंद्र जैन, जैन मिलन मार्गदर्शक चौधरी प्रदीप जैन, राकेश जैन मंत्री श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र खजुराहों, इं.महेश जैन रिटा. एसडीओ राष्ट्रीय संयोजक सागर जैन समाज छतरपुर के अध्यक्ष अरुण कुमार जैन, उपाध्यक्ष अजय जैन फट्टा व रीतेश जैन क्षेत्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष संजय जैन शक्कर, दिलेश जैन दमोह मंचासीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर अरुण कुमार जैन चंदेरिया की गयी। कार्यक्रम का प्रारंभ महावीर वन्दना के साथ हुआ, तत्पश्चात आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का चित्रानावरण अतिवीर इंजी. आर के जैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैन मिलन द्वारा एवं दीपप्रज्वलन अतिवीर एड. राकेश जैन राष्ट्रीय संयोजक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशोक जैन शाहगढ़ एवं मनीष विद्यार्थी सागर एवं आभार वीर अखिलेश जैन मिंटी छतरपुर ने माना। कार्यकारिणी बैठक में सभी जैनों को अपने नाम के आगे जैन लिखने, जनगणना में जाति के आगे जैन को चुनने एवं देव, शास्त्र एवं गुरु की रक्षा के लिए हर संभव तत्पर रहने का आवाहन किया गया। इस अवसर पर जैन समाज के 8 विभिन्न महिला संगठनों जिसमें राजुल महिला मंडल ग्रुप, चेतगिरी महिला मंडल ग्रुप, मेन सिटी, सखी महिला परिषद ग्रुप, मां विजया महिला ग्रुप, समर्पण महिला मंडल हटवारा, चेलना ग्रुप, डेरा पहाड़ी, उमंग वाहिनी ग्रुप, अरिहंत महिला मंडल खजुराहो को, संस्था विस्तार के लिए जनर्लिस्ट मनीष जैन विद्यार्थी को श्रेष्ठ कार्यकर्ता सम्मान एवं जैन मिलन मुख्य शाखा दमोह को सर्वाधिक सक्रिय शाखा सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यकारिणी बैठक के अंत में आ.श्री तपो मति माताजी आ. श्री गुण मति माताजी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। आर्यिका श्री गुण मति माताजी ने कहां जैन मिलन समाज को जागृत करने का कार्य कर रहा है और जैन मिलन द्वारा किए जा रहे कार्य से निश्चित ही समाज में जागृति आएगी ।

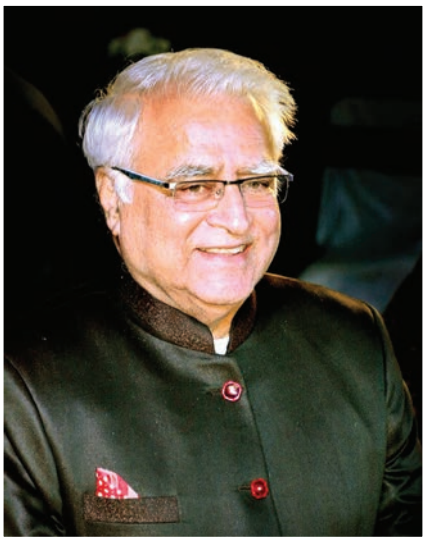

तृतीय पुण्यतिथि

प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल

तृतीय पुण्यतिथि (5 सितंबर) के अवसर पर हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म - 13 जनवरी 1948, इन्दौर
स्कूल शिक्षा - सिंधिया स्कूल, ग्वालियर
स्नातक शिक्षा - बी.ई. (सिविल) श्री गोविन्दराम सेक्सरिया विज्ञान एवं अभियांत्रिकी स्वशासी महाविद्यालय, इन्दौर

पारिवारिक पृष्ठभूमि

पिता - जैन रत्न स्व. श्री देवकुमारसिंह कासलीवाल
माता - स्व. श्रीमती कुसुमकुमारी कासलीवाल
पत्नी - श्रीमती पुष्पा कासलीवाल
ज्येष्ठ भ्राता - डॉ. अजीतकुमारसिंह कासलीवाल
पुत्र एवं पुत्रवधू - श्री आदित्य-राधा कासलीवाल, श्री अमित-शिक्षा कासलीवाल
पौत्र/पौत्री - चि. आराध्य, चि. अनंत, कु. अद्वितीय, कु. अक्षिता कासलीवाल

व्यापारिक पृष्ठभूमि

- रा.ब. ओंकारजी कस्तूरचंद (कॉन्ट्रेक्ट डिवीजन)
- मेसर्स धार सीमेन्ट लि., इन्दौर
- मेसर्स कासलीवाल हुंडई प्रा.लि., इन्दौर
- राजश्री सिनेमा प्रा. लि.
- ओ.के. कृषि फार्म्स, इन्दौर
- रा.ब. ओंकारजी कस्तूरचंद प्रापर्टीज प्रा. लि.
- मेसर्स कासलीवाल ट्रकिंग प्रा. लि.
- मेसर्स कासलीवाल होण्डा ऑटोमोबाइल्स प्रा. लि., इन्दौर
- कस्तूर, अनोप, स्मृति, आस्था एवं कुसुम सिनेमागृह, इन्दौर
- ग्रीन गोल्ड नर्सरी, इन्दौर

सामाजिक पृष्ठभूमि

सन् 1992 में पूर्व बावनगजा महामस्तकाभिषेक महोत्सव में स्वयं सेवक मंडल का नेतृत्व करके अपनी सामाजिक एवं धार्मिक सेवाओं से शुरुआत करनेवाले प्रदीपजी आज अनेक राष्ट्रीय संस्थाओं/ट्रस्ट/आदिनाथ भगवान महावीर 2600 जन्मजयंती राष्ट्रीय समिति सदस्य एवं तीर्थक्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष - श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

अध्यक्ष
- श्री दिगम्बर जैन महासमिति ट्रस्ट, नई दिल्ली
- श्री दि. जैन समाज (सामाजिक संसद), इन्दौर
- श्री महावीर ट्रस्ट (म.प्र.)
- श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र मक्सी पार्श्वनाथ, शाजापुर
- श्री दि. जैन मालवा प्रांतिक सभा, बड़नगर
- श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र, सिद्धवरकूट (प.निमाड़)
- श्री आदिनाथ आध्यात्मिक अहिंसा फाउण्डेशन अष्टापद, बद्रीनाथ
- श्री महावीर बाल संस्कार केन्द्र, इन्दौर

ट्रस्टी
- श्री रा.ब. ओंकारजी कस्तूरचंदजी धार्मिक एवं पारमार्थिक संस्थाएं, इन्दौर
- श्री गोमटेश्वर जन कल्याण ट्रस्ट, श्रवणबेलगोला
- श्री दि. जैन उदासीन आश्रम ट्रस्ट, इन्दौर
- कुंद कुंद ज्ञानपीठ, इन्दौर
- श्री अंतिम केवली श्री 1008 जम्बूस्वामी दि. जैन ट्रस्ट, मथुरा
- श्री बंडीलालजी दि. जैन कारखाना, श्रीगिरनार (जूनागढ़)
- श्री देवकुमारसिंह कासलीवाल धार्मिक तथा पारमार्थिक न्यास, इन्दौर

पूर्व अध्यक्ष
- श्री दिगम्बर जैन महासमिति, नई दिल्ली
- भूतपूर्व छात्र संगठन, इंजीनियरिंग कॉलेज
- लायन्स क्लब इन्दौर ग्रेटर

पूर्व ट्रस्टी
- श्री शाश्वत तीर्थक्षेत्र श्री सम्मेदशिखर ट्रस्ट

श्रद्धांवत

राजेश बड़जात्या: अध्यक्ष | अनिल कुमार जैन IPS: संस्थापक अध्यक्ष | यश कमल अजमेरा: निवर्तमान अध्यक्ष | पारस कुमार जैन: कोषाध्यक्ष | निर्मल संघी: महासचिव

नवीन सेन जैन: रीजन परामर्शक | सुरेंद्र कुमार पांड्या: रीजन परामर्शक | अतुल बिलाला: रीजन पूर्व अध्यक्ष | सुरेश जैन बांदीकुई: रीजन कार्याध्यक्ष | सुनील बज: रीजन कार्याध्यक्ष

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

डॉ मालती गुप्ता लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

कविता के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की राजस्थान राज्य शाखा का 2023 का कन्वेन्शन 3 सितंबर 2023 को सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। जिसमे डॉ मालती गुप्ता, आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न्स, सवाई मानसिंह हॉस्पिटल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद अलवर, डॉ करन सिंह यादव ने की। कार्यक्रम में सी पी जोशी तथा डॉ करन सिंह यादव ने डॉ मालती गुप्ता द्वारा, जल जाने पर प्राथमिक उपचार पर रचित कविता - ''जल जाओ तो पानी डालो'' के पोस्टर का विमोचन किया।

नीरज जैन युवा महासभा विधाधर नगर जोन के अध्यक्ष बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन युवा महासभा के नवगठित 15 जोनो को शपथ ग्रहण हुआ। कार्यक्रम में झोटवाड़ा संभाग के अंतर्गत विद्याधर नगर जोन का गठन हुआ, जिसकी कार्यकारिणी के अध्यक्ष - नीरज जैन (मुरलीपुरा), महामंत्री - अनिल काला (नेहरू नगर) एवं कोषाध्यक्ष - रवि जैन (मुरलीपुरा) ने

विधिपूर्वक शपथ ली। इस अवसर पर अमर चंद दीवान (खोरा बैनाड़)- वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कमलेश चाँदवाड़ (अंबाबाड़ी) - उपाध्यक्ष, अरविंद कुमार जैन (विद्याधर नगर/ मुरलीपुरा)- उपाध्यक्ष, पंकज जैन (मुरलीपुरा)- संयुक्त महामंत्री, अभिषेक काला (अम्बाबाड़ी)- मंत्री, विक्रम जैन (खोरा बैनाड़)- संयुक्त मंत्री, रौनक गंगवाल (अंबाबाड़ी) - संगठन मंत्री एवं कशिश जैन (मुरलीपुरा)-सांस्कृतिक मंत्री, कार्यकारिणी सदस्य - संजय गंगवाल (शास्त्री नगर), अशोक जैन (खोरा बैनाड़), अंकुर जैन (खोरा बैनाड़), रेखा जैन (मुरलीपुरा), कोमल जैन (मुरलीपुरा), मोनिका जैन (नेहरू नगर), पायल जैन (अम्बाबाड़ी), ऋषभ जैन (विद्याधर नगर/ मुरलीपुरा),शोभा सिंघई (अम्बाबाड़ी) ने अपने - अपने पद के जिम्मेदारी पूर्वक निर्वाहन की शपथ ली।

जीवन को सुखी बनाने का तरीका लाइन ऑफ कंट्रोल-गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी , जिला - टोंक (राज.) के तत्वावधान में श्री 1008 शांतिनाथ महानुष्ठान रचाने का सौभाग्य त्रिलोकचंद बाकलीवाल विजयवाड़ा (आंध्रप्रदेश) एवं ज्ञानप्रकाश लुहाड़िया अलीगढ़ वालों ने प्राप्त किया । इसी अवसर पर अष्ट द्रव्य सहित 120 अर्घ्य चढ़ाकर भक्तिभावों के साथ भगवान की आराधना की गई । शांतिप्रभु की अखण्ड शांतिधारा करने का सौभाग्य मनोज जैन प्रतापनगर जयपुर, ऋषभ जैन गौरझामर एवं संजय शशि लुहारा वाले निवाई वालों को प्राप्त हुआ। गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी का उपवास के पश्चात का पारणा निरन्तराय सम्पन्न कराने का सौभाग्य महिला मंडल चाकसू ने प्राप्त किया। गुरु माँ ने प्रवचन देते हुए श्रद्धालुओं से कहा कि - लौकिक सुख सांसारिक वस्तुओं से प्राप्त अस्थायी सुख है। जबकि पारलौकिक सुख ईश्वरीय होने से स्थायी सुख होता है। प्रत्येक व्यक्ति के सुख प्राप्त करने के उद्देश्य और दृष्टिकोण में भिन्नता होना स्वाभाविक है। जीवन के परम लक्ष्य सुख को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संयम की आवश्यकता होती है। केवल संत - महात्माओं तक ही सीमित नहीं वरन गृहस्थों को भी सुखमय जीवन के लिए संयम (लाइन ऑफ कंट्रोल) की अत्यंत आवश्यकता होती है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

!! जै जिनेन्द्र !!

LIVE

चतुर्थ पट्टाचार्य परम पूज्य आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी मुनिराज जी के आशीर्वाद से

शोर्य ओज अर बलिदान रै नाम

"केसरिया जोत"

आऔ याद करा आपणां क्रांतिकारियां नैं, आऔ घर घर तक पुगावां बाका बलिदानां नै

9 सितम्बर 2023, दोपहर 2.00 बज्यां

ठौड़ : भट्टारक जी की जैन नसियां, नारायण सिंह सर्किल, जैपुर

आयोजक :- बब्बो बदळ्यो बदळ्यो राजस्थान

राजस्थानी राख्यां रैसी राजस्थान

https://www.facebook.com/badlyobadlyorajasthan/

Website : www.badlyobadlyorajasthan.com I 9829619876, 9828939689, 9784017488

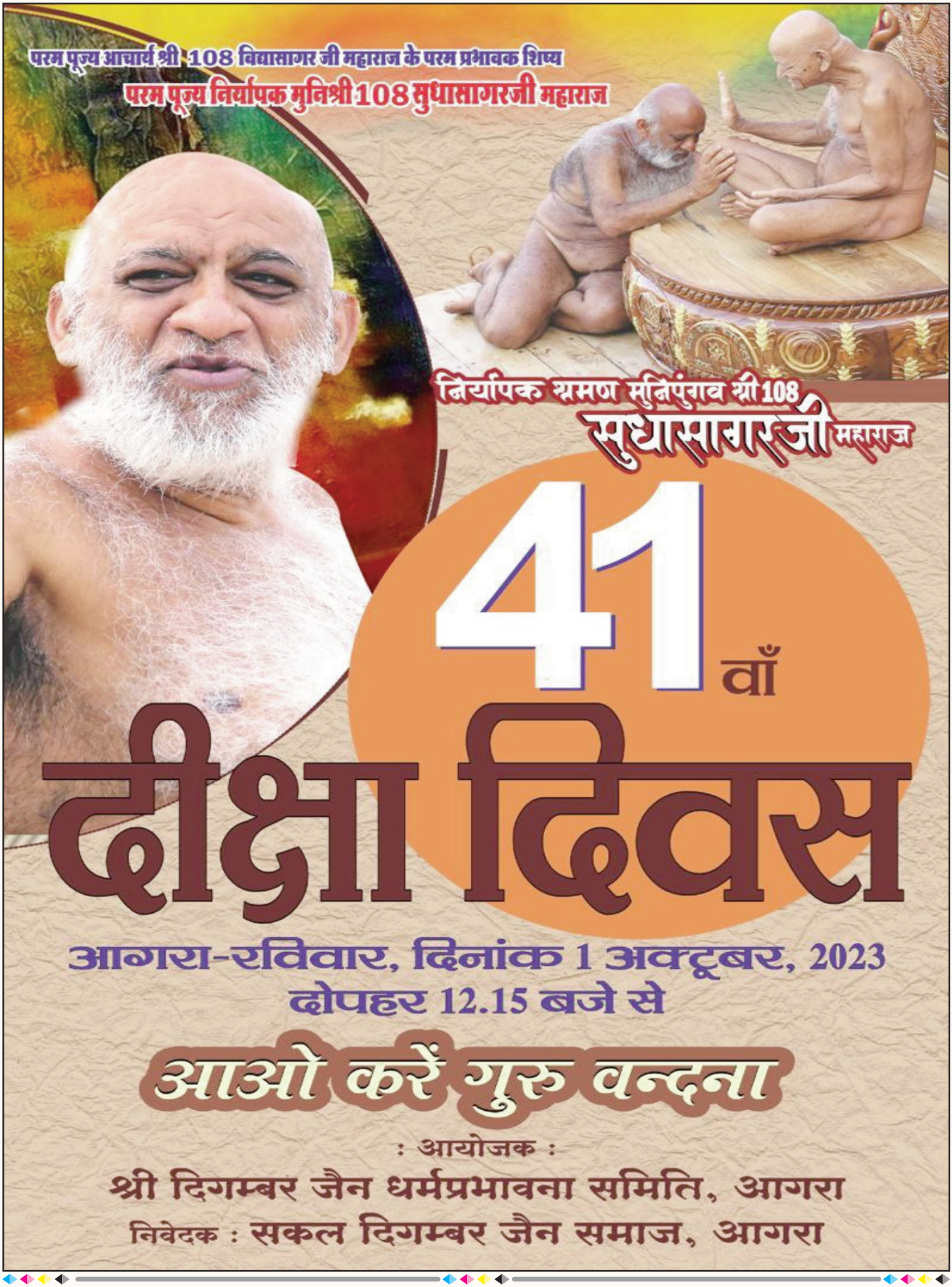
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

दुश्मन तुम्हे बेईमान कहे इससे फर्क नही पड़ने वाला, तुम्हारे व्यक्ति की दृष्टि में तुम क्या हो, ये तुम्हे पहचानना है

आगरा. शाबाश इंडिया

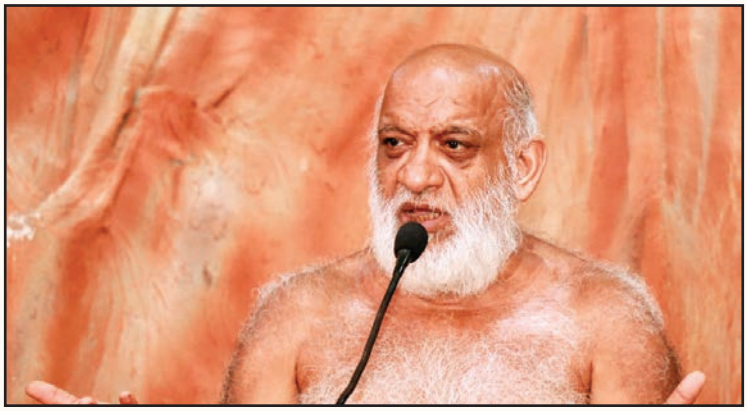

आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए कहा कि बुरी वस्तु, बुरे विचार,बुरे लोग सर्वथा त्याज्य होते है इनको तो अपनी जिंदगी में आने ही नही देना चाहिए क्योंकि बुरे विचार जितने आएंगे हमारा मन उतना बुरा होगा, हमारी आत्मा बुरी होगी, हमारा सबकुछ गन्दा हो जाएगा। बुरे लोगो की संगति करेगे तो उनका तो कुछ भी नही बिगड़ना, हम ही गंदे हो जायेगे ।जिन लोगो को अपने आप की फिलिंग हो कि हम उच्च वर्णी है, फिलिंग हो कि हमारे विचार अच्छे है स्वयं को, दूसरे को नही। दूसरे लोग भय से, लोभ से, बेईमानी से, लोभ से गंदे आदमी को भी अच्छा कह सकते है, दूसरे की आँखे चूक सकती है हमे परखने में, इसलिए तुम स्वयं से स्वयं को परखो। निर्णय करो तुम्हारा मन कैसा है क्योंकि मन में क्या चल रहा है भगवान जानते हैं या व्यक्ति स्वयं जानता है। नोट कर लेना मेरा मन बड़ा बेईमान है, नीच है, बेईमानी करता है, गुरुओं के सामने भी बाहर से कुछ करता है अंदर से कुछ करता है ।मन्दिर में भी बाहर से कुछ दिखता है, अंदर से भी कुछ सोचता है। फैसला करो तुम्हारा मन कैसा है, तुम्हारी आँखे कैसी है। निर्णय तुम्हे स्वयं करना है। आजकल पिता को पुत्र पर, पुत्र को पिता पर तो भरोसा है नही, फिर आचार्य कुन्दकुन्द स्वामी को अपने सम्यकदृष्टि पर इतना भरोसा कैसे कि मेरा सम्यकदृष्टि कभी बेईमान नही हो सकता। सम्यकदृष्टि का अर्थ है दुनिया के लिए ईमानदार नही, अपने लिए और अपनों के लिए ईमानदार बन जाना। दुश्मन तुम्हे बेईमान कहे इससे फर्क नही पड़ने वाला, तुम्हारे व्यक्ति की दृष्टि में तुम क्या हो, जो तुम्हारे घर के है, ये है कुलाचार। तुम अपने पिताजी की दृष्टि में क्या हो, तुम्हे वो क्या मानते है। कभी तुम्हारे पिता किसी दूसरे के सामने कह दे कि मैं अपनी जिंदगी को इतना भाग्यशाली नही मानता हूँ लेकिन मैं जिस बेटे का पिता हूँ मुझे उस पर गर्व है। क्या आप पर आपके पिताजी को गर्व है ।तुम अपने भाई की दृष्टि में क्या हो, तुम अपनी पत्नी की दृष्टि में क्या हो, इसी तरह सभी सम्बन्धो में लगाना। क्या तुम्हारे घर मे ऐसा विश्वास है एक दूसरे का एक दूसरे पर। *यदि ये कुलाचार में तुमने जीत लिया कि हमारे घर मे किसी भी आदमी से पूछ लीजिए मेरे सम्बन्ध में मेरे घर के लोगो के विचार क्या है। पहला सर्टिफिकेट लाओ धर्म के कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए, गुरु को विश्वास दिलाने के लिए,भगवान का जिनवाणी का विश्वास जीतने के लिए कि घर के लोग तुम्हे कैसा मानते है। यदि तुमने ये विश्वास जीत लिया, आज तक तो कोई जीत नही पाया क्योंकि हम सब एक दूसरे से पूछ रहे है, तुम अपने मन से बताओ।

बुलडोजर से पुष्प वर्षा कर किया परिवर्तन यात्रा का स्वागत

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। रणथंभौर के त्रिनेत्र गणेश से प्रारंभ हुई भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा रविवार देर शाम हिंडौन विधानसभा क्षेत्र के श्रीमहावीरजी में प्रवेश किया जहां भाजपा कार्यकताओं ने कोडिया की बगीची से वाहन रैली निकालकर परिवर्तन यात्रा का स्वागत किया । कस्बे के देवनारायण मंदिर पर गुर्जर समाज व भाजपा नेता राजपाल जाटव की ओर से बुलडोजर से पुष्पवर्षा कर परिवर्तन यात्रा का अभिनंदन किया गया परिवर्तन यात्रा के मीडिया प्रभारी बबली चतुर्वेदी ने बताया कि विधानसभा चुनाव 2023 में सत्ता परिवर्तन को लेकर त्रिनेत्र गणेश मंदिर से भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था जो गंगापुर ,नादोती होते हुए श्री महावीर जी पहुंची जहां हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं ने परिवर्तन यात्रा का जोर-जोर से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया वर्तमान प्रदेश सरकार की नाकामियों पर जोरदार प्रहार करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रदेश की जनता परिवर्तन का मूड बना चुकी हैं । प्रदेश सरकार के 5 वर्ष के कुशासन महिला उत्पीड़न, बेरोजगारी, पेपर लीक जैसे मामलों को लेकर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार को कटघरे घेरने का प्रयास किया। देवनारायण मंदिर से परिवर्तन यात्रा मिस्त्री मार्केट बस स्टैंड बनवारीपुर मोड ,दनालपुर पटौदा होती हुई हिंडौन शहर पहुँची जहाँ रात्रि विक्षाम का कार्यक्रम निर्धारित था परिवर्तन यात्रा के साथ सैकड़ो मोटर बाइकर्स ओर चार पहिया गाड़ियों के काफिला साथ रहा । परिवर्तन यात्रा संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की नाकामियों पर जोरदार प्रहार किया इस मौके पर करौली धौलपुर सांसद मनोज राजोरिया , जवाहर सिंह बेढम ,भाजपा नेता राज्यपाल जाटव ,पूर्व जिला अध्यक्ष हेमेंद्र वशिष्ठ पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव सहित भाजपा नेता उपस्थित थे।

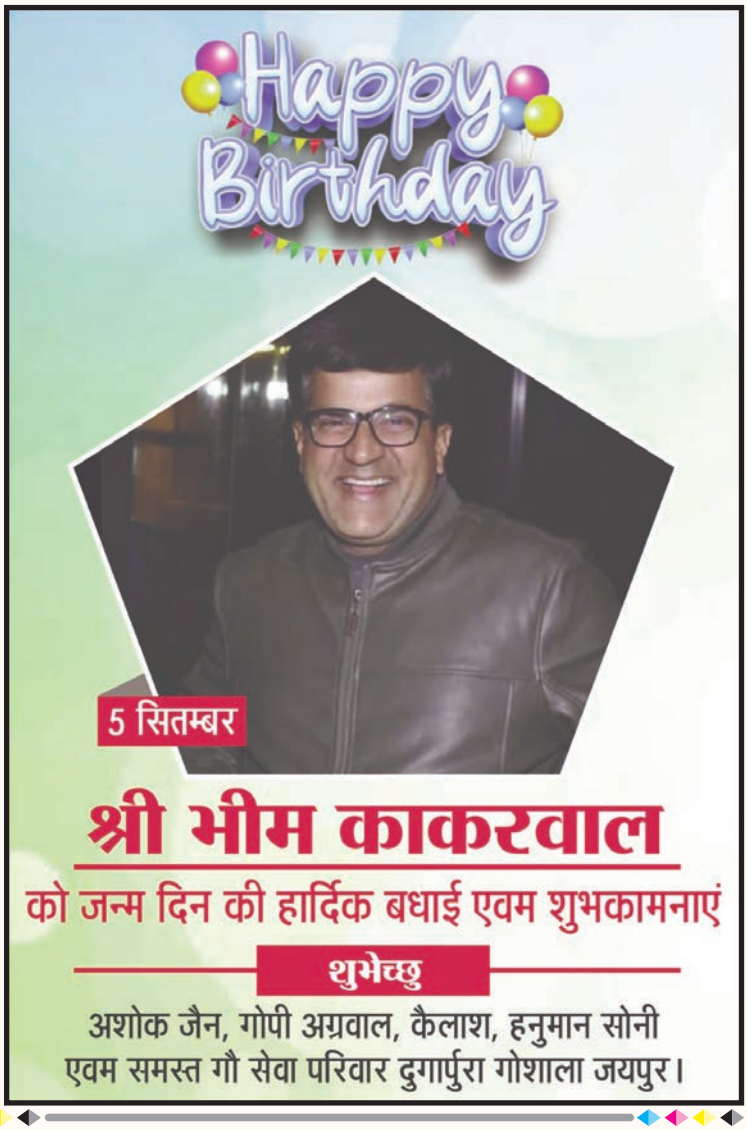

मुख्यमंत्री ने मेकअप कलाकार राधेलाल का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया।
मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नाट्य रूप सज्जाकार राधेलाल बांका का नाटक जगत में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया । मुख्यमंत्री गहलोत कला साहित्य एवं संस्कृति मंत्री डॉ बीडी कल्ला ने बांका को राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के सम्मान समारोह के अंतर्गत 51 हजार रुपए की नगद राशि और स्मृति चिन्ह प्रदान कर राज्य स्तर पर सम्मानित किया। ज्ञात रहे की राधेलाल बांका पिछले 55 वर्षों की इस कला मे महारत हासिल है उन्होंने मेकअप की शिक्षा गुरु शिष्य परंपरा के अंतर्गत अब्दुल सत्तार के सानिध्य में प्राप्त की और इस परंपरा को आगे बढ़ते हुए नई पीढ़ी को भी शिक्षित कर रहे हैं। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष बिना जैस मालू शाहिद बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित थे ।

सामूहिक गोठ में प्रतिभाओं का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री घाट दरवाजा खंडेलवाल वैश्य समाज समिति (राज.) के तत्वावधान में घाटगेट बाजार स्थित श्री केशवराय जी मंदिर में रुद्राभिषेक व घाटगेट खंडेलवाल समाज की सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। सचिव श्री किशन कूलवाल (बंटी) ने बताया कि इस मौके पर शिव जी का श्रंगार व आरती की गई, जो सभी के बीच आकर्षण का केन्द्र रही। आयोजन के दौरान समाज की मेधावी प्रतिभाओं का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह मे रामेश्वर लाल डंगायच, भगवान सहाय टोडवाल, अरविंद माली, विनोद अटोलिया, अमित बटवाड़ा, सलिल बुसर, गोपेश्वर कूलवाल, नवीन डंगायच, बनवारी बजरगांन, रामअवतार मेठी, राजेश दुसाद, कपिल डंगायच व विजयलक्ष्मी डंगायच उपस्थित रहे ।

नेमीनाथ समिति नेमीसागर के चुनाव संपन्न

जे के जैन कालाडेरा अध्यक्ष, प्रदीप निगोतिया मंत्री बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति, नेमीसागर कालोनी के चुनाव आयोजित किए गए। संपन्न हुए चुनाव में जे के जैन, कालाडेरा को अध्यक्ष, प्रदीप निगोतिया को मंत्री, नरेंद्र ठोलिया को कोषाध्यक्ष चुना गया। अनिल जैन धुआं वालो को उपाध्यक्ष तथा संजीव कासलीवाल को संयुक्त मंत्री मनोनीत किया गया। अशोक झांझरी, पूनम चंद ठोलिया, राजेंद्र जैन, राजेश गंगवाल, वीरेंद्र गोधा, विकास पाटनी को कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। इससे पूर्व समिति की साधारण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें मंत्री प्रदीप निगोतिया ने अपने उदबोधन में समिति के कार्य कलापो की जानकारी दी एवं निर्वतमान कोषाध्यक्ष राजेश गंगवाल ने समिति के गत वर्ष का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। समिति के मनोनीत सदस्यों के रुप में नीरज पहाड़िया, सुभाष अजमेरा, मंजू सेठी एवं किरण जैन को मनोनीत किया गया।

48 दिवसीय महाआयोजन का सोमवार को हुआ समापन

भक्तामर स्तोत्र पाठ का फल पुण्यदायी है: आचार्य विवेक सागर

अनिल पाटनी। शाबाश इंडिया

अजमेर। भक्ती में ही शक्ती हैं और जो शक्ती भगवान में हें वह शक्ती आपके अंदर भी आ सकती हैं, यह आपके अंदर की शक्तियां हैं आप उनसे कितना ले पाते हैं आचार्य मानतुंगाचार्य की भक्ती में वह शक्ती थी जो उन्होंने अपने हृदय में भगवान को विराजित कर उनकी भक्ती में भक्तामर स्त्रोत की रचना कर दी! यह विचार आचार्य विवेक सागर महाराज ने सोमवार को पंचायत छोटा धड़ा नसियां में 48 दिवसीय भक्तामर स्तोत्र के समापन पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। आचार्य श्री ने कहा कि भक्तामर स्तोत्र भक्ति प्रधान स्तोत्र है, जैन धर्म काव्य परंपरा में भक्तामर स्तोत्र की अपनी माहात्म महिमा और गरिमा हैं, भक्तामर स्तोत्र पाठ का फल पुण्यदायी है, मन को शांति मिलती है, शरीर के रोग आदि व्याधि दूर होती है साथ ही जीवन में संकट दूर होते हैं, सुख समृद्धि आती है। इससे पूर्व महाआयोजन के अन्तिम दिवस चार मंगल कलश स्थापना एवं मांगलिक क्रियाए राकेश-कमलेश जैन, उदित कुमार - सुशीला बड़जात्या, सुशील कुमार-लीला देवी बाकलीवाल एवं महेन्द्र बाकलीवाल परिवार ने सम्पन्न की आयोजन के विशेष सहयोगी लोकेश ढिलवारी का समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल महामंत्री कोमल लुहाड़िया ने अभिनन्दन पत्र देकर स्वागत किया। पदम चन्द सोगानी ने बताया 48 दिवसीय भक्तामर स्तोत्र के भव्य आयोजन में 48 मंगल कलश की स्थापना होनी थी लेकिन सौभाग्यशाली परिवारों की संख्या अधिक होने पर 62 मंगल कलश की स्थापना की गई, अभुतपूर्व आयोजन में प्रात एवं सांयकालीन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधर्मीजनो ने उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया। सायंकाल मन्दिर प्रांगण में संगीतमय दिपर्चना मे सौभाग्यशाली परिवारजनों के साथ उपस्थित साधर्मीजनो ने रजतमयी 144 दिप प्रज्वलित कर समर्पित किये, श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किये एवं महाआरती की। अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल ने बताया 48 दिवसीय भक्तामर महाआयोजन समापन के उपलक्ष्य में आगामी दिनों में भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी तत्पश्चात सभी 62 मंगल कलश सौभाग्यशाली परिवारजनों को प्रदान किये जायेंगे।